वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 203 मंगलवार 21 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गुलाबों की तीन पीढ़ियों ने दिखाई कालबेलिया नृत्य की खूबसूरती

कालबेलिया नृत्य की लय के बाद होली के गीतों ने मचाया धमाल, श्याम सुन्दर सैनी फतेहपुर वालों ने सुनाए गीत

जयपुर. कासं

सात दिवसीय लोक संस्कृति महोत्सव ''धरती धोरां री'' का पांचवा दिन और भी लुभाने वाला था, क्योंकि इस दिन महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम के मंच पर थीं पद्मश्री गुलाबो और उनके साथी कलाकारों की टीम। इस मौके पर जैसे ही गुलाबो मंच पर आईं सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज गया। लोक कलाकारों के बहुचर्चित कालबेलिया नृत्य के गीत ''काल्यो कूद पड्यो मेला में'' की धुन छेड़ने के साथ ही गुलाबो रबड़ की गुड़िया की तरह बलखाती झूमने लगी और चल पड़ा उनके अनूठे कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति की सिलसिला। इस नृत्य की खास बात ये थी कि इसमें गुलाबो की तीन पीढ़ियां उनकी तीन बेटियों और पोतियों ने भी उनके साथ ताल मिलाई तो लोग झूम उठे। दादी बनने के बाद भी गुलाबो के नृत्य की शोखी और उनके बल खाने का अंदाज देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए। इस मौके पर गुलाबो और उनके साथी कलाकारों ने राजस्थानी बीटड़ी और मयूर नृत्य भी प्रस्तुत किया। इनफोसिस और भारतीय विद्याभवन की ओर से आयोजित किए जा रहे इस समारोह के पांचवें दिन की संध्या का उद्घाटन रत्न व्यवसायी कमल कोठारी और

वरिष्ठ चित्रकार गोपाल भारती ने दीप प्रज्जवलित कर किया। गुलाबो की प्रस्तुति के बाद श्याम सुन्दर सैनी फतेहपुर वाले और उनके साथी कलाकारों की ढप और चंग की लय-ताल पर होली के सलौने गीतों की मस्ती लुटाई। श्याम सुन्दर की ये प्रस्तुति होली की विशुद्ध गायन परंपरा पर आधारित थी जिसमें साथी कलाकारों ने ढप और चंग के साथ ''चांद चढ्यो गिगनार'' सहित होली के अनेक पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए।

अभिलाषा भारतीय और रुक्मणि गोयल ने किया लाइव डेमोस्ट्रेशन

इससे पूर्व दिन में जानी-मानी चित्रकार अभिलाषा ललित भारतीय ने पोर्ट्रेट कला और रुक्मणि गोयल ने टाई एंड डाई आर्ट का लाइव डेमोस्ट्रेशन दिया और बड़ी संख्या में आए स्टूडेंट्स को इन विधाओं की जानकारी दी। अभिलाषा भारतीय ने इस मौके पर कई वीरांगनाओं के पोट्रेट बनाए जबकि रुक्मणि ने टाई एंड डाई के ठप्पे से स्टूडेंट्स की रूमाल को रंगीन बना दिया, स्टूडेंट्स के बीच होड़ से मच गई और बच्चों ने अपने रूमालों को कलात्मक डिजाइनों से खूबसूरत बनवा लिया।

अभिलाषा नें केनवास को रंगा वीर रस में

उधर अभिलाषा ललित भारतीय की कला का भी अपना अलग ही अंदाज था उन्होंने हाल ही में खेले गए नाटक राजपूताना के कथानक में शामिल चार राजस्थानी वीरांगनाओं मीरा, हाड़ी रानी, पद्मिनी और पन्नाधाय को एक ही कैनवास पर खूबसूरत संयोजन के साथ चित्रित कर कैनवास को वीर रस से सराबोर कर दिया। अभिलाषा ने चित्रों का ये संयोजन एक्रेलिक रंगों से तैयार किया। चित्रों में वीरांगनाओं के चेहरों पर चित्रित भाव देखने योग्य थे। भारतीय विद्याभवन के कार्यक्रम सचिव राजेन्द्र सिंह पायल ने बताया कि सात दिवसीय समारोह के छठे दिन शाम 6.15 बजे से जाने-माने ध्रुवपद गायक उस्ताद नफीस और उस्ताद अनीस डागर ध्रुवपद की जुगलबंदी पेश करेंगे।

जयपुर में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो

एसपीजी और जयपुर पुलिस ने संभाला मोर्चा, जानिए क्या रहेगी ट्रैफिक और पार्किंग की व्यवस्था

जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को जयपुर में रोड शो करेंगे। प्रधानमंत्री शाम 5:30 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से बाई रोड जवाहर सर्किल, ओटीएस चौराहा, गांधीनगर सर्किल, जेडीए सर्किल, अल्बर्ट हॉल और एमआई रोड होते हुए शाम 5:50 बजे सांगानेरी गेट पहुंचेंगे। यहां से शाम 6 बजे रथ में सवार होकर रोड शो करेंगे। प्रधानमंत्री का रोड शो बापू बाजार, नेहरू बाजार होते हुए शाम 6:20 बजे पर किशनपोल बाजार पहुंचेगा। इसके बाद 6:40 बजे छोटी चौपड़ और 6:50 बजे त्रिपोलिया बाजार गेट पहुंचेगा। 7 बजे रोड शो बड़ी चौपड़ और फिर जोहरी बाजार होते हुए शाम 7:20 बजे पर सांगानेरी गेट पहुंचकर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री शाम 7:25 बजे पर जयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। 7:40 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

परकोटे में ट्रैफिक पुलिस ने की विशेष व्यवस्था

पीएम के दौरे से पहले सोमवार को एसपीजी और जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने पूरा प्लान डिस्कस किया। पीएम के सांगानेरी गेट से रैली शुरू करने और फिर बड़ी चौपड़ पर खत्म करने के प्लान के दौरान क्या व्यवस्था रहेगी। इसको लेकर भी चर्चा की गई। इसको लेकर मुख्य सचिव ने जयपुर पुलिस के साथ वीसी के जरिए तैयारियों का जायजा भी लिया। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर परकोटे में यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। जौहरी बाजार, हवामहल बाजार, रामगंज बाजार, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता, किशनपोल बाजार, बापू बाजार, नेहरू बाजार में मुख्य मार्गों पर वाहनों की पार्किंग नहीं होगी। ये मार्ग नो-व्हीकल जोन रहेंगे।

उच्च शिक्षा के साथ सद संस्कारो पर भी ध्यान दें

बचपन में दे दिए होते सद संस्कार तो अंत समय में नही होता शायद ये हाल

कोटा. कासं

अभी हाल ही एक दुखद घटना भारत वर्ष में देखने को मिली। देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति सहारा ग्रुप के प्रमुख सुब्रतराय सहारा का निधन हो गया। उनके दो सगे बेटे जो विदेश में थे इंडिया उनके निधन पर दो दिन इंतजार करने के बाद भी नहीं आए। अन्त में उनके पोत्रो द्वारा अंतिम क्रिया की गई। में पारस जैन पार्श्वमणि इस घटनाक्रम पर ये विचार अंतर्मन में आता है कि उन्होंने बचपन में दो नो बेटो को दे दिए होते सद संस्कार तो अंत समय में नही होता शायद ये हाल। हम अपने बच्चों को उच्च से उच्च शिक्षा देने का प्रबंध तो करते हैं परंतु धार्मिक सद संस्कारों का बीजारोपण नहीं करते हैं यदि पढ़ाई के साथ धार्मिक पाठ शालाओ में बच्चो को जरूर भेजना चाहिए। यदि हम बचपन में रोज बच्चों की उंगली पड़कर मंदिर में ले जाते हैं तो एक दिन वो

बच्चे जब मां-बाप वृद्ध हो जाते हैं तो उनको चारों धाम की यात्रा तीर्थ की वंदना करने के लिए जरूर ले जायेगे। यह सत्य है इसे नकारा नहीं जा सकता। जब मानव धरती पर आता है तो उसका वजन तीन या चार किलो का होता है और जब मानव इस धरती से जाता है तो उसकी अस्थियां भी उतने ही वजन की विसर्जित की जाती है। यह प्रकृति का कड़वा सत्य है ।कई जन्मों का पुण्य उदय जब झोली में आता है तब जाकर मानव जीवन मिल पाता है। अंत मुझको ये लाइन याद आ रही है ''क्या लेकर के''

आया बंदे, क्या लेकर के जाएगा
खाली हाथ तू आया है जग में खाली हाथ ही जाएगा
एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल
जग में रह जाएंगे प्यारे तेरे बोल
मतलबी है लोग यहां पर मतलबी जमाना
सोचा साया साथ देगा वह निकला बेगाना
छोटा सा तू कितने बड़े अरमान है तेरे मिट्टी का तू सोने के सब समान है तेरे, मिट्टी की काया मिट्टी में जिस दिन समाएगी
ना सोना काम आएगा ना चांदी आएगी
सज धज कर जिस दिन मौत की शहजादी आएगी ना सोना काम आएगा ना चांदी आएगी
करोड़ों घरों का सहारा अंत समय में बे सहारा रह गया करोड़ों की दौलत धरी की धरी रह गई
देखो सुंदर काया मिट्टी में मिल गई
राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी

पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार

टोंक के प्रकाश पटवारी ने णमोकार लेखन में स्वर्ण पदक प्राप्त किया

राजेश जैन अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। श्री णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर द्वारा संचालित णमोकार लेखन में टोंक के प्रकाश पटवारी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। समाज के राजेश अरिहंत ने बताया कि परम पूज्य गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से पटवारी ने सन् 2015 से अनवरत णमोकार लेखन में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए आठ वर्षों तक स्वर्ण पदक प्राप्त किया । पटवारी के इस धार्मिक उल्लेखनीय कार्य हेतु णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर द्वारा रविवार को श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध समिति मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर में प्रकाश पटवारी को स्वर्ण पदक प्रदान कर तिलक लगाकर माला पहनाकर राजस्थानी परम्परा अनुसार सम्मान किया गया । इस अवसर पर कांता जयपुरिया को स्वर्ण पदक एवं मुकेश जैन को भी रजत पदक देकर सम्मानित किया गया । जैन धर्म प्रचारक अशोक छाबड़ा ने बताया कि टोंक जिले के प्रकाश पटवारी को स्वर्ण पदक जीतने पर आचार्य वर्धमान सागर जी, गणाचार्य विराग सागर जी महाराज, आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी, आर्यिका विज्ञा श्री माताजी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी ने आशीर्वाद प्रदान किया।

धूमधाम से मनाया बेगस जैन मंदिर का 12वां वार्षिकोत्सव, उमड़े श्रद्धालु

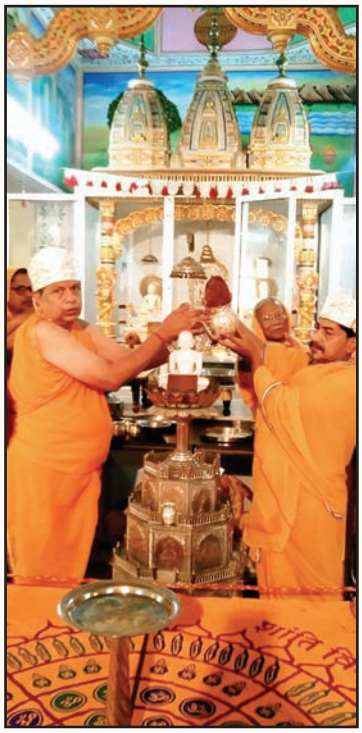

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांति दिगम्बर जैन मंदिर बेगस का 12वां वार्षिकोत्सव रविवार को विभिन्न धार्मिक आयोजनों के बीच मनाया गया। परम पूज्य उपाध्यायश्री उर्जयंत सागर जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित होने वाले इस आयोजन में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान जैन मंदिर का आसपास का क्षेत्र भगवान शांतिप्रभु के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पूनम चंद ठोलिया व मंत्री सुरेश छाबड़ा ने बताया कि इस मौके पर सर्वप्रथम सुबह 8.15 बजे जिनेन्द्र अभिषेक के बाद श्रीजी की शांतिधारा व नियम पूजा की गइ। इसके बाद ध्वजारोहण सुमनलता जैन,प्रदीप जैन,खुशबू जैन, कृष्णा जैन, निहाल चंद सौगानी खातीपुरा वालों ने व दीप प्रज्जवलन समाजश्रेष्ठी राजकुमार, सोनिया जैन, आशीष, नरेन्द्र कुमार, संगीता जैन, रुचिका, रचित व रौनक बेगस्या परिवार जयपुर ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि राकेश, शिल्पा मोदी, मुस्कान मोदी व सक्षम मोदी नेमिसागर कॉलोनी, वैशाली नगर,व विशिष्ठ अतिथि विशाल जैन,आरती जैन,तन्मय व चिन्मय जैन गोम्स डिफेंस कॉलोनी वैशाली नगर रहे जबकि पूजन सामग्री पुण्यार्जक धर्मचंद बड़जात्या की स्मृति में प्रेमचंद, चंद्रकांता,मंजू,पवन,हर्षित व दीपिका बड़जात्या परिवार रेनवाल मांझीवाले वसुंधरा कॉलोनी वाले जयपुर रहे। सभी अतिथियों का मंदिर प्रबंध समिति की ओर से स्वागत व सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद साजों के बाद प्रतिष्ठाचार्य पं.प्रद्युम्न शास्त्री साजों के बीच शांति विधान की पूजा करवाई। इस दौरान मंदिर प्रांगण भगवान शांतिनाथ के जयकारों व भजनों की स्वर लहरियों से गुंजायमान हो उठा। अंत में श्रीजी के कलश हुए। श्रीजी के कलश को देख श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। महाआरती के कार्यक्रम का समापन हुआ।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर में अन्नकूट महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में विशाल अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया। इस मौके पर दिल्ली रोड, आगरा रोड व जयपुर शहर की कॉलोनियों के बीस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पंगत में प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान आसपास का क्षेत्र प्रथम पूज्य के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। बंगाली बाबा मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ प्रथम पूज्य,स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव को अन्नकूट का भोग लगाकर किया गया। इस अवसर पर गणेश जी के लड्डूओं की झांकी व श्रंगार व श्रीआत्माराम जलेश्वर महादेव के अन्न की झांकी सजाई गई,जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रही। इस मौके पर मंदिर प्रांगण को आकर्षक रोशनी से सजाया गया,जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा। उन्होंने बताया कि अन्नकूट प्रसादी का क्रम दोपहर 3बजे से शुरू हुआ,जो देर रात तक चला। इस अवसर पर 500 सेअधिक कार्यकर्ताओं की टोलियां भक्तों को पंगत में बिठाकर मूंग, चौला, बाजरा,सब्जी व पूड़ी की प्रसादी ग्रहण करवाई। प्रसादी करीब 20 हजार से 25 हजार श्रद्धालुओं ने ग्रहण की। इस दौरान गूंज रहे प्रथम पूज्य के जयकारों व भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में धार्मिक,सामाजिक व राजनैतिक संगठनों के प्रतिनिधियों, सरकार के आला अफसरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

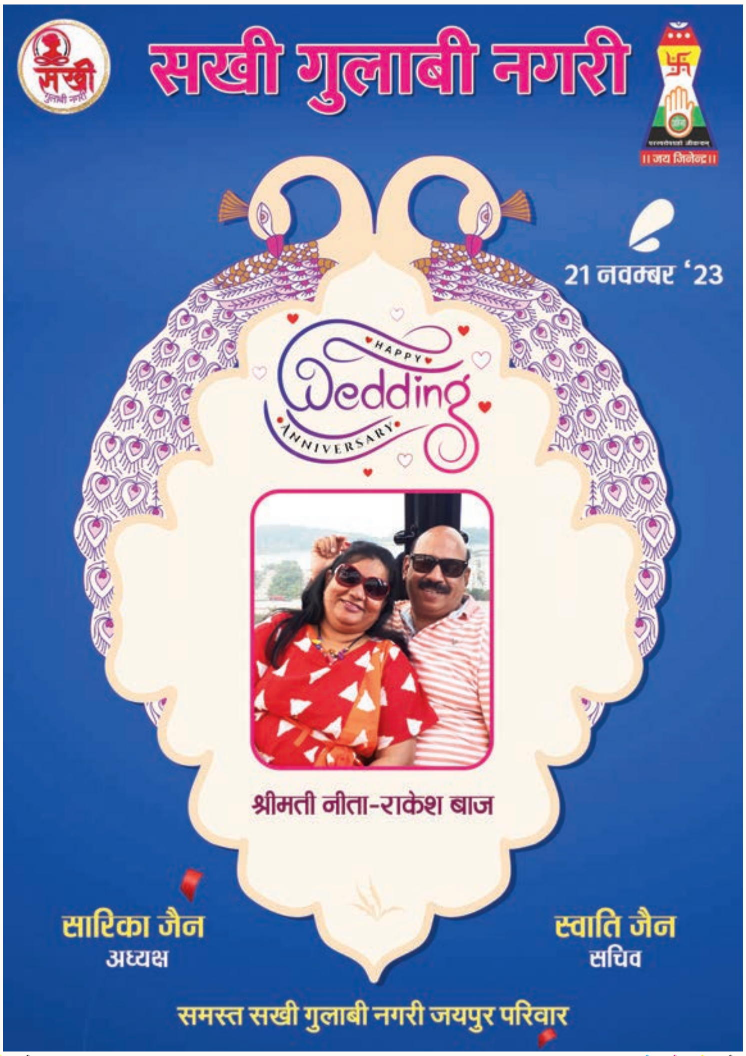

वेद ज्ञान

परिश्रम के बगैर जीवन व्यर्थ

परिश्रम के बगैर मनुष्य का जीवन व्यर्थ है। परिश्रम किए बगैर मनुष्य को भोजन भी नहीं करना चाहिए, अन्यथा वह बीमार पड़ जाएगा। एक कहानी केअनुसार एक राजा वैभवपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहा था, लेकिन इसके बावजूद उसे लगता था कि वह बीमार है। ऐसे में जो भी चिकित्सक उससे यह कहता कि वह स्वस्थ है तो वह उसी को फांसी पर चढ़ाने का आदेश दे देता। अंत में एक चिकित्सक ने राजा से कहा कि आप तो गंभीर रूप से बीमार हैं। यह सुनकर वह खुशी से उछल पड़ा और बोला, यह बताओ कि मुझे क्या बीमारी है। चिकित्सक ने कहा कि राजा जी, आपको एक रहस्यमयी बीमारी है और इसका इलाज यही है कि आप एक दिन के लिए किसी सुखी और प्रसन्न व्यक्ति की कमीज पहनें। बहरहाल काफी खोजबीन के बाद भी राजा के सैनिकों को कोई प्रसन्न व्यक्ति नहीं मिला। राजा को जब यह बात मालूम हुई कि उसके राज्य में लगभग सभी दुखी हैं तो वह काफी विचलित हुआ। खैर एक दिन सैनिकों ने देखा कि एक व्यक्ति अपनी ही धुन में खोया हुआ गाना गाते हुए अपने खेत में काम कर रहा है। सैनिकों ने उससे पूछा कि क्या वह अपने जीवन से प्रसन्न है? उस व्यक्ति ने जब इसका उत्तर हां कहकर दिया तब सैनिकों को बहुत खुशी हुई और वे बोले कि क्या वह एक दिन के लिए अपनी कमीज राजा जी को दे सकता है। इस पर वह व्यक्ति बोला, मैं राजा जी को अपनी कमीज दे देता, लेकिन मेरे पास तो कोई दूसरी कमीज ही नहीं है। अगले दिन जब राजा उससे मिलने के लिए अपने महल से बाहर निकला तो चिड़ियों की चहचहाहट, स्वच्छ वातावरण व नए-नए चेहरों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा और वह अपने आपको स्वस्थ महसूस करने लगा। सार यही है कि प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों का उपयोग वही व्यक्ति कर सकता है जो परिश्रम में विश्वास रखता है। गीता में भी श्रीकृष्ण परिश्रम का महत्व बताते हुए अजरुन से कहते हैं कि परिश्रम ही मनुष्य की वास्तविक पूजा-अर्चना है। इसके बिना मनुष्य का सुखी-समृद्ध होना कठिन है। जो परिश्रम नहीं करता, वह हमेशा दुखी व बीमार और दूसरों पर निर्भर रहता है।

संपादकीय

युद्धग्रस्त इलाके में हमलों से आम लोगों को कोई राहत नहीं

इजरायल के हमलों से तबाह फिलिस्तीनी आम नागरिकों के संकट और उस समूचे इलाके में उपजे त्रासद हालात को देखते हुए सबसे पहली जरूरत यही है कि किसी भी तरह युद्ध विराम हो। इस क्रम में संयुक्त राष्ट्र में कई स्तर पर लगातार कोशिशें चल रही हैं। संयुक्त राष्ट्र आम सभा में युद्ध विराम से संबंधित एक प्रस्ताव को स्वीकार किया गया था। मगर उसके बाद भी युद्धग्रस्त इलाके में हमलों से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिल सकी। दरअसल, युद्ध के हालात में बहुत कुछ इस बात पर भी निर्भर करता है कि सुरक्षा परिषद का रुख किसी प्रस्ताव को लेकर क्या रहता है। इस लिहाज से फिलिस्तीन के आम नागरिकों की मुश्किलों को कम करने के लिए तत्काल और विस्तारित मानवीय संघर्ष विराम की मांग वाले एक प्रस्ताव को सुरक्षा परिषद में अंगीकार किया जाना वक्त का तकाजा है। पंद्रह सदस्यीय सुरक्षा परिषद में इस प्रस्ताव के पक्ष में बारह मत पड़े। हालांकि इस प्रस्ताव पर मतदान से अमेरिका, ब्रिटेन और रूस बाहर रहे। इजरायल ने इसे खारिज कर दिया। इसके बावजूद सुरक्षा परिषद में मानवीय संघर्ष विराम को लेकर बहुमत के समर्थन को शांति की राह में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह अपने आप में एक बड़ी त्रासदी है कि इजरायली हमला अब जो शक्ल ले चुका है, उसमें फिलिस्तीन की एक बड़ी आबादी भयावह तकलीफों से गुजर रही है। इस हमले में फिलिस्तीन के स्वास्थ्य तंत्र तक को नहीं बख्शा गया है और अस्पतालों पर भी बमबारी की जा रही है। आम मरीजों के साथ-साथ हमले के शिकार लोगों का इलाज भी नहीं हो पा रहा है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं की मुश्किल की बस कल्पना की जा सकती है। जबकि किसी भी युद्ध के दौरान अस्पतालों को सबसे सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है और युद्ध के दौरान भी ऐसी जगहों पर हमला न करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय कानून बनाए गए हैं। मगर ऐसा लगता है कि युद्ध की स्थितियों में न्यूनतम मानवीय तकाजे के मद्देनजर जो अंतरराष्ट्रीय कानून बनाए गए हैं, उसका खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा जा रहा। गौरतलब है कि इस युद्ध में अब तक करीब ग्यारह हजार लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें चार हजार से ज्यादा बच्चे थे। गाजा पट्टी के एक बड़े इलाके को इजरायल ने खाली करने का फरमान सुनाया था, जिसके बाद कई लाख लोग वहां से दूसरे इलाकों में विस्थापित हुए। वहां खाना-पानी, आवास और बुनियादी सुविधाओं का जैसा संकट पैदा हुआ है, वह मानवता के सामने एक गंभीर चुनौती है। खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस स्थिति पर गहरी चिंता जता चुका है। ऐसे में दुनिया के तमाम संवेदनशील लोगों की यही सदिच्छा होगी कि किसी भी हाल में युद्ध को रोका जाए। यों भी जिन मसलों पर फिलिस्तीन और इजरायल के बीच टकराव है, उसका आखिरी और दीर्घकालिक समाधान संवाद के जरिए ही निकाला जा सकता है। युद्ध में शक्ति प्रदर्शन और बेलगाम हमले में मारे जाते हैं आम लोग और उनमें भी खासकर महिलाएं और बच्चे, जो ऐसे हालात के लिए कतई जिम्मेदार नहीं होते। ऐसे में न केवल नैतिक तकाजे के मुताबिक, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खयाल करके युद्ध विराम सुनिश्चित किया जाना चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नई चुनौतियां...

दुनिया अमीर और गरीब के खानों में बंटी हुई है। अमीर देशों का गरीब देशों पर किसी न किसी रूप में या तो दबदबा बना रहता है या फिर वे उन्हें अलग-थलग किए रहते हैं। ऐसे में महाशक्तियों के रूप में चिह्नित देशों को चुनौती देने की कोशिशें होती रहती हैं। वैश्विक दक्षिण देशों की एकजुटता उसी की एक कड़ी है। इन देशों के दूसरे सम्मेलन से एक बार फिर यह उम्मीद जगी है कि वे अमीर कहे जाने वाले देशों के समांतर अपनी एक ताकतवर व्यवस्था कायम कर सकते हैं। जी-20 सम्मेलन के बाद भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज नामक इस सम्मेलन की अगुआई की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने फिर से वैश्विक दक्षिण के देशों को एकजुट होकर नई वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की अपील की। पश्चिम एशिया में जिस तरह की उथल-पुथल चल रही है, उसमें वैश्विक दक्षिण के देशों की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। वैश्विक दक्षिण के समूह में वे देश शामिल हैं, जो शीतयुद्ध के बाद अलग-थलग पड़ गए थे। वे औद्योगिक क्रांति से दूर रह गए थे और प्रायः पूंजीवादी तथा साम्यवादी देशों से उनका संघर्ष बना हुआ था। इसमें ज्यादातर एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देश हैं। वैश्विक उत्तर में वे देश हैं, जिन्होंने औद्योगिक क्रांति के जरिए काफी तरक्की कर ली और अब वे दुनिया के बाजारों में अपनी पैठ बनाए हुए हैं। उनमें अमेरिका, यूरोप, कनाडा, रूस, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देश हैं। आबादी के लिहाज से वैश्विक दक्षिण के देश बड़ी श्रमशक्ति और उपभोक्ता बाजार हैं। अगर वे एकजुट होकर संपन्न देशों पर से अपनी निर्भरता खत्म कर लेते हैं, तो विश्व अर्थव्यवस्था की सूरत काफी कुछ बदल सकती है। ऐसे में भारत इन देशों को एकजुट करके न केवल अपने लिए एक बड़े बाजार का निर्माण करना चाहता है, बल्कि चीन को चुनौती भी देने की कोशिश कर रहा है। वैश्विक दक्षिण के देश विकासशील और अविकसित की श्रेणी में गिने जाते हैं। उनमें आर्थिक असमानता बहुत है। इसका लाभ उठा कर चीन इन देशों में अवसंरचना के विकास के जरिए अपनी पैठ बनाने की कोशिश में लगा हुआ है। ''बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव'' परियोजना उसने इसी महत्त्वाकांक्षा से शुरू की थी। भारत अभी विकसित देशों की श्रेणी में तो नहीं गिना जाता, मगर वह विकासशील की श्रेणी में भी नहीं रहा। वह तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है और उसकी चीन से प्रतियोगिता रहती है। इस तरह भारत वैश्विक दक्षिण देशों की एकजुटता के जरिए अपने पड़ोस में बढ़ती चीन की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में कामयाब हो सकता है। इस बार के जी-20 सम्मेलन में भी अध्यक्ष के रूप में भारत ने वैश्विक दक्षिण पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया था। भारत की पहल पर ही अफ्रीकी समूह को भी जी-20 का सदस्य बनाया गया था। इस तरह भारत की पहल पर वैश्विक दक्षिण के देश वैश्विक उत्तर के देशों वाले मंचों पर भी उपस्थिति बनाने लगे हैं। आसियान और ब्रिक्स समूहों में उनकी शिरकत है। ये देश स्वाभाविक रूप से भारत पर भरोसा करते हैं। पिछले कुछ समय से जिस तरह रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास संघर्ष के चलते वैश्विक स्थितियां प्रभावित हुई हैं। आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है और आर्थिक मंदी के इस दौर में वैश्विक दक्षिण के देशों के सामने चुनौतियां बढ़ी हैं, उसमें नए विकल्पों की तलाश के लिए भारत की अपील समय की मांग है।

आज दिल जीते हैं, कल फिर कप जीतेंगे

जन्म मरण के चक्र–सी है हार जीत लग रही। लड़े–भिड़े शौर्य से, आज नही तो कल सही।।

कप जितने से बड़ी बात दिल जीतना होता है। क्रिकेट खत्म नही हो गया। 46 दिन में 45 दिन आप जीते हो। हमारी भारतीय टीम ने 2023 वर्ल्ड कप के अंदर 10 मैच जीते और आज फाइनल हारने पर 140 करोड़ हिंदुस्तानियों का दिल टूटा है। ऐसे हम दो कप जीत चुके।

2027 में फिर मेहनत करेंगे और हम जीतेंगे। हार जीत तो लगी रहती है। लेकिन पूरे वर्ल्ड कप में इण्डियन टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। फाइनल में हम नहीं जीत पाये कोई बात नहीं। फिर आगे जीतेंगे। मोहब्बत तुम्हारे लिए नीली टी-शर्ट वाले लड़को। ये दिल हर बार ब्लू-ब्वायज के लिए ही धड़केगा। निरंतर बेहतरीन खेल दिखाने वाली हमारी भारत टीम को ढेरों बधाइयाँ। आपने लगातार शानदार खेल खेलकर उत्साह और उमंग के साथ भारत को आगे बढ़ाया। हम अपने खिलाड़ियों को रोते हुए नहीं देख सकते। रोकें ये आंसू। खेल में एक टीम जीतती है, दूसरी हारती है। आज भारतीय टीम का दिन नहीं था। कल हमारा दिन फिर से लौटेगा। आज हारे तो क्या हुआ? हारा तो पिछली बार ऑस्ट्रेलिया भी था। फिर आने वाले वर्ल्ड कप में हम अच्छी तैयारी करेंगे। सिर्फ एक हार से अब ठान लो, आगे अब हर बार इसका इंतकाम लेंगे। यह शिकस्त बहुत कुछ सीखा गई। धीरज रखो, हमारी टीम बहुत बहादुर है।

आलस्य संक्रामक रोग है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। आलस्य संक्रामक रोग है। सोमवार साहुकारपेट जैन भवन मे महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दालूओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आलसी व्यक्ति परिश्रम नहीं कर सकता है वो हमेशा दूसरों के पराधीन रहता है और रोगो और दुखों से छुटकारा नहीं प्राप्त कर सकता है आलस्य एक प्रकार का अन्धकार है, जो आत्मा पर शक्तियों पर और मनुष्य की भावी उन्नति एवं प्रगति पर तुषारापात कर देता है । आलसी पडा-पड़ा यही सोचा करता है कि मेरा कार्य कोई अन्य व्यक्ति कर दे,ऐसा इंसान जीवन मे कभी भी तरक्की नहीं कर सकता है। आलसी वृत्ति को छोड़ने पर वह निश्चय ही यश प्रतिष्ठा और कीर्ति प्राप्त कर जीवन को सफल बना सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि मनुष्य अपने भाग्य का निमार्ता स्वयं होता है ।जो व्यक्ति भाग्य के भरोसे बैठा रहता है उनका भाग्य भी बैठा रहता है। जो हिम्मत बाँधकर अपनी इच्छा शक्ति को मजबुत कर मन में विश्वाश जगाकर खड़ा हो अपने लक्ष्य पाने को आतुर रहता है ऐसा व्यक्ति ही अपने भाग्य को बदल सकता है और अपने जीवन का निर्माण और आत्मा उत्थान कर सकता है आलस्य और प्रमाद करने वाला मनुष्य जीवन मे सफलता प्राप्त नहीं कर पाएगा। साहुकारपेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीरचंद सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया की धर्मसभा मे अनेक श्रावक श्राविकाओं के साथ श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी,महावीर कोठारी मंत्री सज्जनराज सुराणा,विजयराज दुग्गड़,संजय खाबिया आदि की उपस्थिति रही इसदौरान साध्वी धर्मप्रभा से उपवास आयंबिल और एकासन व्रत के कहीं भाई -बहनों ने प्रत्याखान लिए ।नियमित प्रवचन का समय प्रातः.9:15 से 10:15 बजे तक है।

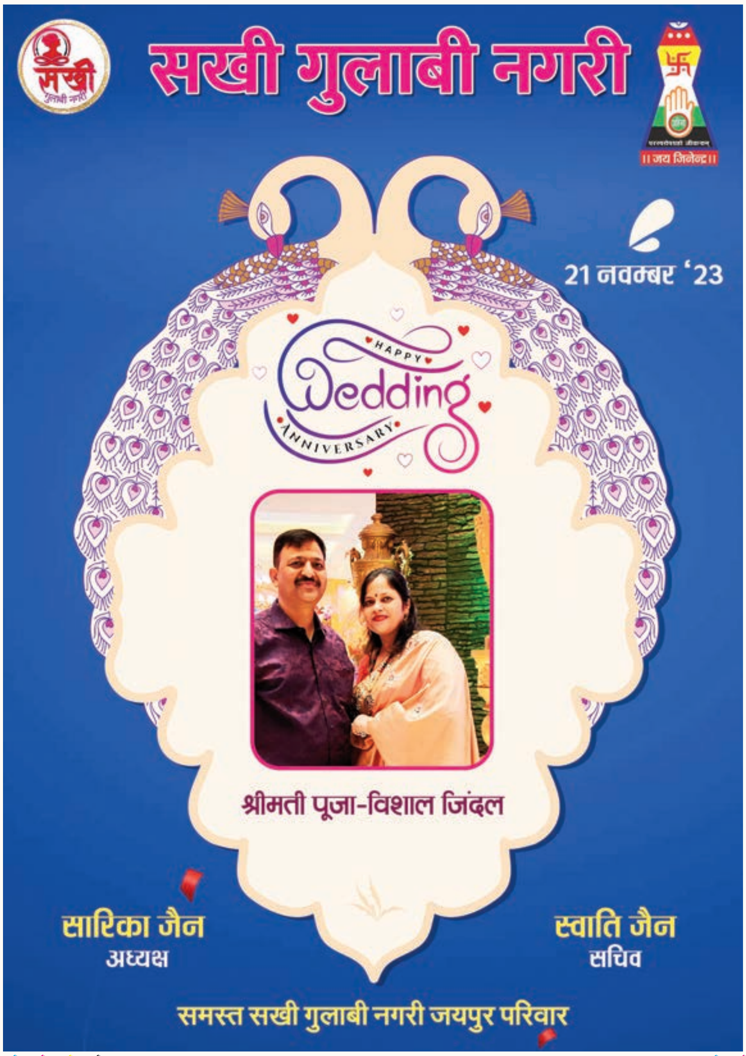

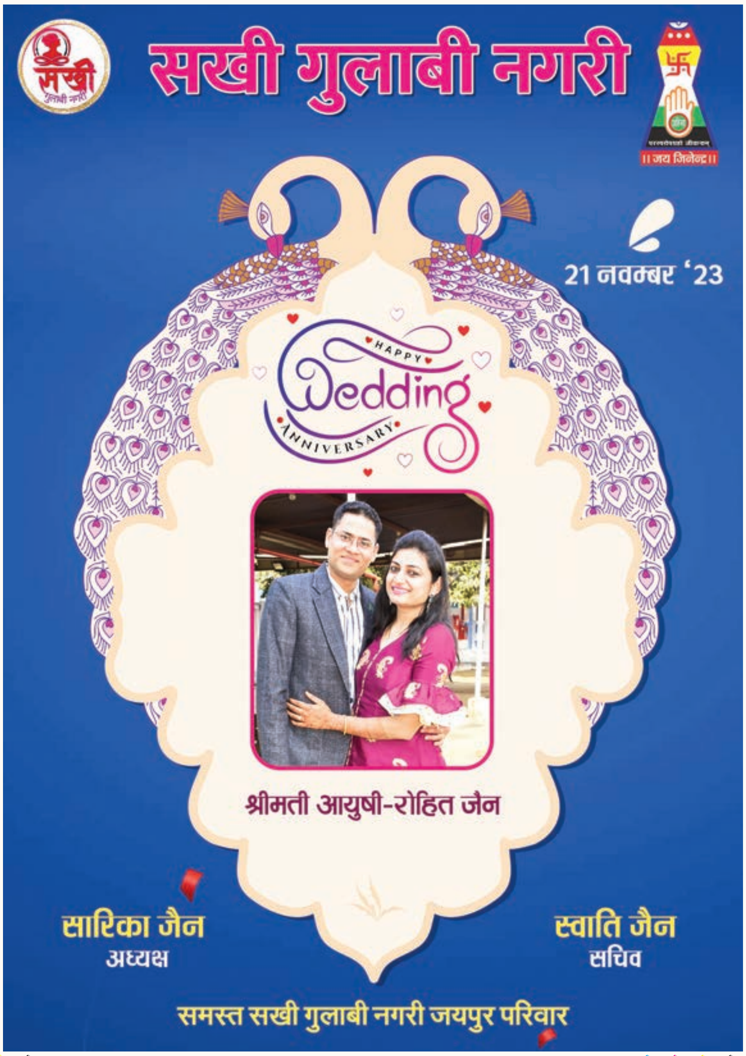

अष्टानिका पर्व के दौरान सकल दिगंबर जैन समाज के सहयोग से हुआ श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य आगाज

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में सोमवार से शुरू हो रहे अष्टानिका महापर्व के दौरान आर्यिका श्रुतमति माताजी,आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज की अगुवाई में 20 नवंबर 2023 से 28 नवंबर 2023 तक श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य आगाज हुआ, कार्यक्रम में प्रातः मुनि सुव्रतनाथ जिनालय में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान के पात्रों का बोलियों के माध्यम से चयन हुआ जिसमें महावीर प्रसाद , रामावतार , प्रेमचंद , कमलेश कुमार, विनोद कुमार जैन कठमाणा वाले झंडा रोहण कर्ता ,सौधर्म इन्द्र नेमीचंद ,रमेश चंद्र, पवन कुमार, अशोक कुमार, विनोद कुमार, राजकुमार जैन कागला परिवार, यज्ञनायक इन्द्र ओमप्रकाश, सुरेश कुमार डेठानी, कुबेर इन्द्र संतोष कुमार -जम्बू कुमार बजाज, दीप प्रज्वलन रमेश चंद्र, राजेंद्र कुमार, पंकज कुमार कलवाड़ा वाले, तथा मैना सुंदरी-मीनाक्षी जैन मांदी ने बोलियों के माध्यम से सोभाग्य प्राप्त किया। अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर प्रसाद झंडा, मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी, तथा चातुर्मास समिति के प्रतिनिधि मितेश लदाना ने संयुक्त रूप से बताया कि मुनिसुव्रनाथ दिगंबर जैन मंदिर से आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में बेन्ड बाजों के साथ प्रातः 51 सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा नगर भ्रमण करते हुए पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर तक भव्य घट यात्रा निकाली गई , बाद में पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में कठमाणा परिवार द्वारा झंडा रोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, गोधा ने अवगत कराया कि उक्त विधान पंडित कुमुद जी सोनी अजमेर के द्वारा विभिन्न मंत्रोचारणों के साथ सम्पन्न कराया जायेगा, मंदिर समिति के प्रतिनिधि विनोद मोदी ने बताया कि उक्त विधान में 51 इन्द्र इन्दाणियों के द्वारा पूजा अर्चना शुरू हुई तथा विधान में आज आठ अर्घ्य चढ़ाये गए।गोधा ने अवगत कराया कि उक्त अवसर पर समाज के वयोवृद्ध कपूर चंद जैन मांदी, पूर्व सरपंच ताराचंद जैन,मोहनलाल झंडा, प्यार चंद पीपलू,कैलाश कलवाड़ा , सोहनलाल झंडा, प्रेमचंद भंवसा,रामस्वरूप जैन मंडावरा, रामस्वरूप मोदी,चम्पालाल जैन,केलास पंसारी,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद बावड़ी, केलास कासलीवाल, सुरेश सांघी, नेमीचंद कागला, सुरेश मांदी, पं.संतोष बजाज, केलास कडीला, सौभागमल सिंघल, भागचंद कासलीवाल, महेंद्र कासलीवाल,नवरत्न मल मंडावरा,रतन नला,हरकचंद झंडा, रमेश बजाज,हरकचंद पीपलू, शिखर मोदी, विरेन्द्र डोषी, सत्येंद्र झंडा,सुनील गंगवाल,सुरेश डेठानी,टीकम गिंदोडी, राजेंद्र कलवाडा,रमेश बावड़ी, एडवोकेट रवि जैन, राजेश छाबड़ा,बाबूलाल पहाड़िया, पवन गंगवाल, शांति लाल धमाणा, शांति लाल सेठी, महेंद्र बावड़ी, पारस नला, विमल कलवाडा, अनिल कठमाना,सुरेंद्र बावड़ी, सुरेंद्र पंसारी,विनोद कलवाडा, ओमप्रकाश कासलीवाल, राजेंद्र मोदी, महावीर मोदी, महावीर बजाज,पदम बजाज, पवन कागला, शिखर गंगवाल,मुकेश गिंदोडी, पारस मोदी, मोदी, मितेश तय लदाना, मनीष गोधा, कमलेश झंडा,बन्टी पहाड़िया, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबु गोधा सहित सारे श्रावक श्राविकाएं साथ-साथ थे।

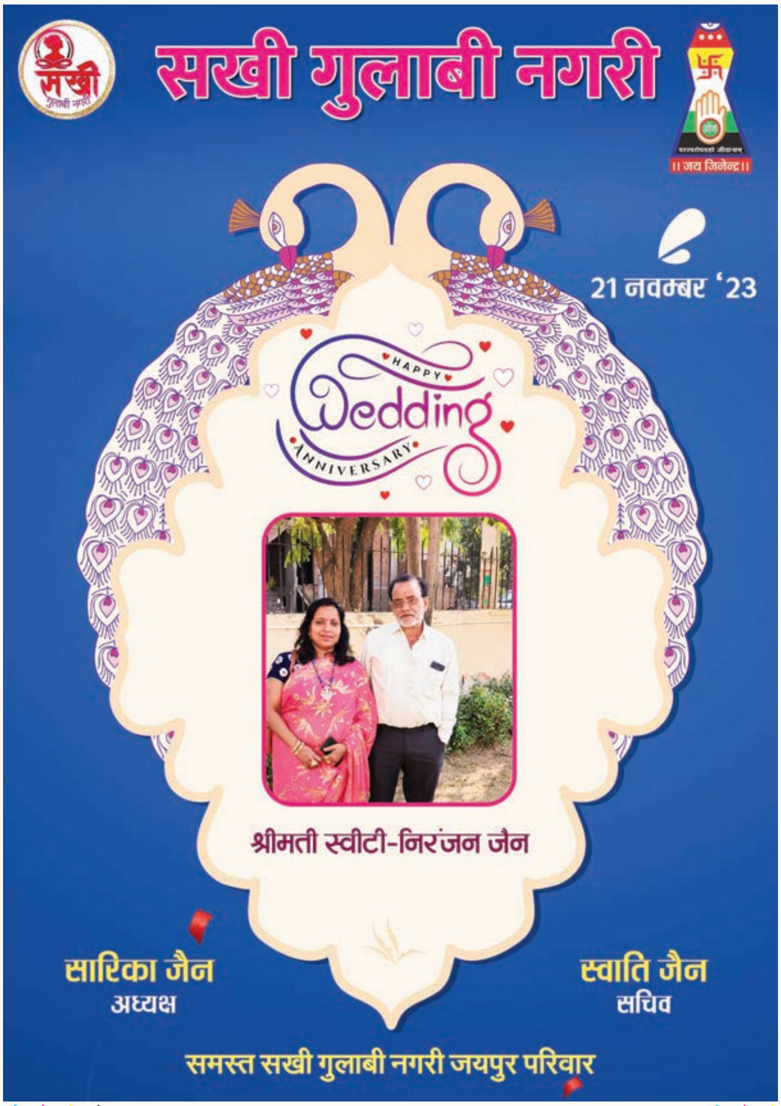

अष्टान्हिका महापर्व एवं सिद्ध चक्र महामण्डल अनुष्ठान का ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे चातुर्मास कर रहे जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज क्षुल्लक अकम्प सागर महाराज एवं विधानाचार्य पण्डित अशोक जैन धानी शास्त्री जी के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर के शांतिनाथ भवन पर अष्टान्हिका महापर्व का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ किया गया जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा श्री जी के समक्ष श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास कमेटी के प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि सोमवार को सुबह श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ जी चन्द्र प्रभुजी पार्श्वनाथजी की एवं सुपार्श्वनाथजी की शांतिधारा करके कलशाभिषेक किए इसके बाद विधानाचार्य पण्डित अशोक जैन धानी शास्त्री जबलपुर द्वारा अष्टान्हिका महापर्व धर्म के अनेक तत्वों से ध्वजारोहण की क्रिया करवाई गई जिसमें गाजे बाजे के द्वारा हेमचंद हर्षित जैन ने ध्वजारोहण किया। जौंला ने बताया कि 20 नवम्बर से 28 नवम्बर तक विधान की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। सोमवार को विधान में सकलीकरण, मण्डप प्रतिष्ठा, इन्द्र प्रतिष्ठा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, कलशाभिषेक, शांतिधारा, मुनि श्री के प्रवचन एवं भावना जैन एण्ड पार्टी जबलपुर द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। एवं 29 नवम्बर को पिच्छिका परिवर्तन समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान समाज के लोगों ने अष्टान्हिका महापर्व एवं दस दिवसीय पर्व एवं सिद्ध चक्र महामण्डल अनुष्ठान सफलता पूर्वक सम्पन्न हो जिसके लिए मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी एवं मुनि शुद्ध सागर महाराज के समक्ष श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सुरेन्द्र टोंग्या महेंद्र संधी पदम जौंला सुनील भाणजा धर्म चंद चंवरिया नवरत्न टोंग्या विमल सोगानी मनन दत्तवास प्रेमचंद सोगानी शंभु कठमाणा अनिल पराणा नीरज जैन पदम टोंग्या आदि लोग मौजूद थे।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

बगुले की तरह है मायाचारी व्यक्ति का स्वभाव

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी, जिला- टोंक (राज.) में ससंघ विराजित गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी महती धर्म की प्रभावना में संलग्न है। ध्यान, स्वाध्याय, उपवास आदि का क्रम लगातार बढ़ रहा है। पूज्य माताजी अपने शिष्यों को तो शिक्षित कर रही हैं साथ ही अन्य समाजों को भी प्रोत्साहित करते हुए धर्म का महत्व, धर्म का मर्म समझा रही है । पूज्य माताजी ने अपने उपदेशों में मायाचारी का अर्थ बताते हुए कहा कि - जब व्यक्ति के मन, वचन और काय तीनों सरल हो जाते हैं तो वह आत्मा नहीं परमात्मा हो जाती है और जब इन तीनों में अंतर हो जाता है तो वह दुरात्मा बन जाती है। मायाचारी व्यक्ति का स्वभाव बगुले की तरह होता है। वह करता कुछ और है और दिखाता कुछ और है। उन्होंने कहा मायाचारी व्यक्ति की चाल तो सीधी दिखती है परंतु वह अंदर से बहुत टेढ़ा होता है। वह व्यक्ति सोच रहा होता है कि उसे कोई नहीं देख रहा। परंतु भगवान तो उसे हर समय देख रहे होते हैं। यह भी सत्य है कि वह देख कर भी सजा नहीं देंगे पर कर्म तो अपना फल देंगे ही। जो गड्ढा हम दूसरों के लिए खोदते हैं, उसमें खुद ही गिर जाते हैं। इसलिए सरलता में रह कर भले ही हमें बहुत कष्ट सहने पड़े, लेकिन हमें आर्जव धर्म को नहीं छोड़ना चाहिए। जो अपने मन से कुटिलता निकाल देता है उसका जीवन बहुत सरल हो जाता है। यदि हमारा हृदय सरल है तो कांटा भी फूल बन सकता है। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को होने वाले आयोजन पिच्छिका परिवर्तन व 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारम्भ में आप अपनी उपस्थिति देकर इस कार्यक्रम के साक्षी बने।

विनायकेश्वर महादेव मंदिर में अन्नकूट प्रसादी का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

आगरा रोड स्थित विनायक एनक्लेव वेलफेयर सोसायटी में विनायकेश्वर महादेव मंदिर में अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया गया अध्यक्ष शशि शंकर शर्मा, महामंत्री विकास कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र जांगिड़ ने बताया कि पांच प्रकार के नए अन्न को मिलाकर प्रसादी बनाई गई । इस कार्यक्रम में सचिव पदम गुर्जर, संगठन मंत्री रवि गुर्जर सहित कॉलोनी के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय

स्व. श्री त्रिलोकचंद जी ठोलिया

(फट्टू जी)

पुत्र स्वर्गीय श्री गुलाबचंद जी ठोलिया के आकस्मिक निधन पर हम सभी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत्

दीपेश शाह , पूर्वेश शाह

ELECTRO MEDIA

12, JDA MARKET BAJAJ NAGAR JAIPUR -15

DSDF CONSULTANCY SERVICES PVT. LTD.

34,PRAHLAD COLONY TONK ROAD JAIPUR -29

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पंचायत विकास मंत्री ने सीएचजेयू की ओर से पत्रकारों को बांटी 10-10 लाख की बीमा पॉलिसी

चंडीगढ़ एंड हरियाणा जर्नलिस्ट यूनियन ने पत्रकारों की अपने खर्चे पर करवाई व्यक्तिगत पॉलिसी

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

एलनाबाद। चंडीगढ़ एंड हरियाणा जर्नलिस्ट यूनियन ने प्रदेशभर में अपने पत्रकार सदस्यों का 10-10 लाख रुपए का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा करवाने का निर्णय लिया है। इसी निर्णय के तहत सीएचजेयू ने हरियाणा के पंचायत एवं विकास मंत्री देवेंद्र बबली के हाथों पत्रकारों की व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी जारी करवाई गई। इस अवसर पर फतेहाबाद, टोहाना, रतिया, भूना, भट्टूकलां, जाखल, कुलां सहित पूरे फतेहाबाद जिले के सौ से ज्यादा पत्रकारों को बीमा पॉलिसी वितरित की गई। इस मौके पर फतेहाबाद के विधायक दुडा राम, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, मुख्यमंत्री के मीडिया कोर्डिनेटर अशोक छाबड़ा, सीएचजेयू के प्रदेशाध्यक्ष राम सिंह बराड़, प्रदेश चेयरमैन बलवंत तक्षक, चंडीगढ़ प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष नलिन आचार्य, भाजपा जिला प्रभारी देव कुमार शर्मा व संयुक्त निदेशक प्रैस डा. साहिब राम गोदारा भी मौजूद रहे। इन बीमा पॉलिसी का पूरा खर्चा सीएचजेयू ने अपनी ओर से उठाने का निर्णय लिया है और जिन सदस्यों की बीमा पॉलिसी कराई जा रही है, उनसे इस पॉलिसी का खर्चा नहीं लिया जा रहा। फतेहाबाद के बाद अलग-अलग जिला वाइज पूरे हरियाणा में पत्रकारों को पालिसी वितरित की जाएगी। हरियाणा के पंचायत एवं विकास मंत्री देवेंद्र बबली ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि पत्रकारों का काम बेहद जोखिम भरा होता है और फील्ड में काम करने वाले पत्रकारों को जान का जोखिम व दुर्घटना का भय हर समय बना रहता है। कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली ने कहा कि चंडीगढ़ एंड हरियाणा जर्नलिस्ट यूनियन ने अपने खर्च पर यूनियन के सदस्यों का 10-10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा करवाकर एक बेहद सराहनीय व नेक काम किया है। मंत्री देवेंद्र बबली, विधायक दुडा राम, लक्ष्मण नापा, अशोक छाबड़ा, देवकुमार शर्मा व डॉ. साहिब राम गोदारा ने सरकार द्वारा पत्रकारों के कल्याण के लिए बनाई नीतियों का उल्लेख किया और कहा कि सरकार पत्रकारों की समस्याओं को हल करने के लिए हमेशा तत्पर है। सीएचजेयू अध्यक्ष राम सिंह बराड़ व बलवंत तक्षक ने पत्रकारों की पेंशन बढ़ाने, डिजिटल पॉलिसी लागू करने के लिए सरकार की सराहना करते हुए पत्रकारों की बाकि मांगों व समस्याओं को विस्तार से रखा। सीएचजेयू की फतेहाबाद इकाई द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारिता की दशा, दिशा व भविष्य को लेकर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक दुड़ाराम व विधायक लक्ष्मण नापा ने की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मीडिया कोर्डिनेटर अशोक छाबड़ा, सीएचजेयू के प्रदेशाध्यक्ष राम सिंह बराड़ व प्रदेश चेयरमैन बलवंत तक्षक ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। कार्यक्रम को चंडीगढ़ प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष नलिन आचार्य, भाजपा जिला प्रभारी देव कुमार शर्मा व संयुक्त निदेशक प्रैस डा. साहिब राम गोदारा, वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र भाटिया व देवेंद्र उप्पल ने भी संबोधित किया व कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए यूनियन के जिला अध्यक्ष सुनील सचदेवा सहित जिले की पूरी टीम व सीएचजेयू की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए। कार्यक्रम में तीन वरिष्ठ पत्रकारों जगदीश रावी, डॉ. कुमार कमल भास्कर व अमीर मदान को भी सम्मानित किया गया। विधायक दुडा राम कार्यक्रम की शुरूआत मंत्री देवेंद्र बबली, विधायक दुड़ाराम, लक्ष्मण नापा, अशोक छाबड़ा, राम सिंह बराड़, सुनील सचदेवा ने दीप प्रज्वलित कर की। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन पत्रकार सुशील बंसल ने किया। इस मौके पर आए हुए अतिथियों, वरिष्ठ पत्रकारों व समाज सेवियों को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सांगानेर के कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज, भाजपा प्रत्याशी भजनलाल शर्मा को बाहरी बताते है, लेकिन वह भारी है, बाहरी नही है : सुरेश मिश्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। भाजपा नेता एवं सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बयान जारी कर कहा कि मैने वर्ष 2008 में सांगानेर से जब चुनाव लड़ा तब सांगानेर में कांग्रेस का संगठन ना के बराबर था और मेरे सामने उस समय भाजपा के दिग्गज नेता घनश्याम तिवाड़ी सामने थे। उसके बाद भी मुझे 45 हजार मत मिले जो कि कुल मतदान का 38 प्रतिशत था। उसके बाद उम्मीदवार संजय बापना को 24 प्रतिशत मिले। उसके बाद वर्ष 2018 में पुष्पेन्द्र भारद्वाज को कुल मतदान का 34 प्रतिशत मिला। जो कि मेरे से कम रहा, क्योंकि मतदाता बढ़ गये थे इसलिए वह अपने वोट ज्यादा बताते हैं। इस प्रकार से परिसीमन के बाद हुये 3 चुनाव में मुझे सबसे ज्यादा मत मिले। कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज का यह कहना सरासर गलत है कि उन्हे मेरे से ज्यादा वोट मिले। मिश्रा ने कहा कि जहां तक ब्राह्मण समाज की बात है तो मैने सांगानेर के दोनों ब्लॉको में ब्लॉक अध्यक्ष ब्राह्मण ही बनाये बिरधीचंद शर्मा एवं सीताराम शर्मा नेहरू। इसके अतिरिक्त नगर निगम चुनाव में उस समय 5 वार्ड हुआ करते थे। उसमें से मेरे 3 वार्डों में ब्राह्मण पार्षद उम्मीदवार लडाये और तीनो को जिताया भी। पुष्पेंद्र भारद्वाज ने पिछले पाँच वर्षों में ब्राह्मण बहुल वाली विधानसभा से दोनों ब्लॉक से ब्राह्मणो को हटा दिया , जिन वार्डों से ब्राह्मण पार्षद होने चाहिए थे उनके भी टिकिट काट कर अन्य को दे दिये और ब्राह्मण समाज के कई लोगो को नुकसान पहुँचाने का कार्य किया और केवल थोती बातें की जिसका जवाब समाज चुनाव में देगा। मिश्रा ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे आग्रह पर सांगानेर का ब्राह्मण समाज भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भजनलाल शर्मा को मत देकर समर्थन देगा। ऐसा मेरा विश्वास है। मैं बाते नहीं करता हूं, काम करता हूँ। इस कारण से समाज का मेरे ऊपर पूरा विश्वास है। साथ ही मैंने 15 वर्ष सांगानेर विधानसभा में आम जनता की सेवा की है। कोई मेरे ऊपर जमीने खरीदने व बेचने का आरोप नहीं लगा सकता। ना ही मेरे आस पास इस प्रकार के लोग है जो कि भूमाफिया हो। मुझे पूरा भरोसा है कि जनता मेरे विश्वास पर खरा उतरेगी और भाजपा को सांगानेर से जबरदस्त समर्थन मिलेगा। साथ ही अगर भजनलाल बाहरी है तो पुष्पेंद्र भी वैशाली में निवास करते है, बाहरी कोई मुद्दा नहीं है सांगानेर में, मानसरोवर, प्रताप नगर, पत्रकार कॉलोनी , पृथ्वीराज नगर के सभी निवासी बाहर से आकर बसे है सांगानेर के कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज, भाजपा प्रत्याशी भजनलाल शर्मा को बाहरी बताते है, लेकिन वह भारी है, बाहरी नही है।

शुभकामना परिवार का 15 वां राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

जयपुर से शामिल हुए सैकड़ों जैन बन्धु। जयपुर के सूर्य प्रकाश छाबड़ा एवं राजेंद्र जैन मोजमाबाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मनोनीत

जयपुर. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी के सानिध्य में शुभकामना परिवार का 15 वां राष्ट्रीय अधिवेशन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर जयपुर सहित पूरे देश के बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए । राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक अधिवेशन में मंगलाचरण, दीप प्रज्जवलन के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जय कुमार कोठयारी ने स्वागत उदबोधन दिया। इस मौके पर जयपुर के समाजसेवी सूर्य प्रकाश छाबड़ा एवं राजेन्द्र जैन मोजमाबाद को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य मनोनीत किया गया। अधिवेशन के मौके पर गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह एवं चातुर्मास निष्ठापन तथा कलश वितरण समारोह भी हुआ। चातुर्मास स्थापना के मौके पर स्थापित मंगल कलशों का समाजश्रेष्ठियों को वितरण भी किया गया। माताजी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि धर्म की जड़ सदा हरी होती है। अतः सभी श्रावकों को धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता निभानी चाहिए। इस मौके पर जयपुर के सूर्य प्रकाश छाबड़ा, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, मनीष लुहाडिया, देवेन्द्र गिरधरवाल, गजेन्द्र शाह, मिनाक्षी सोगानी सहित अन्य कार्यकर्ताओं का समिति की ओर से सम्मान किया गया।

जैसवाल जैन परिचय सम्मेलन में बच्चों का कराया जाएगा परिचय

सोनागिर में 24 - 25 दिसंबर को होगा सम्मेलन

मुरैना में अविवाहित समूह की राष्ट्रीय बैठक संपन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। भारतवर्ष से आए हुए जैसवाल जैन समाज के प्रतिनिधियों ने समाज के अविवाहित बच्चों का 24 - 25 दिसंबर को सोनागिर में होने जा रहे परिचय सम्मेलन के संदर्भ में बैठक में गहन विचार विमर्श के पश्चात अनेकों निर्णय लिए। अखिल भारतवर्षीय जैसवाल जैन उपरोचियां समाज की सेवाभावी संस्था अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह की राष्ट्रीय बैठक विगत दिवस ज्ञानसागर सेवा सदन मुरेना में आयोजित की गई । बैठक का संचालन अजय जैन शिवपुरी एवम रविंद्र जैन जमूसर भोपाल ने किया । श्री जिनेन्द्र प्रभु के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य अनिल जैन मकराना, मनोज जैन कोटा, सुरेश जैन साउथ एक्स., रूपेश जैन दिल्ली, सुरेश जैन द्वारिका, महेशचंद बंगाली मुरेना, पवन जैन उत्तम नगर को प्राप्त हुआ। समूह के संरक्षक महेशचंद बंगाली एवम स्थानीय क्षेत्रीय संयोजको द्वारा सभी अथितियो का भावभीना आत्मीय स्वागत सम्मान किया गया। श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर में 24 एवम 25 दिसम्बर को होने जा रहे परिचय सम्मेलन की व्यवस्थाओं के संदर्भ में सभी उपस्थित बंधुओं द्वारा गहन विचार विमर्श किया गया । सर्वसम्मती से निर्णय लिया गया की परिचय सम्मेलन में अधिक से अधिक सजातीय विवाह योग्य बच्चों का ऑन लाइन एवम ऑफ लाइन परिचय कराया जाएगा । सम्मेलन में आने वाले सभी जैसवाल जैन बंधुओं को आवास, परिवहन एवम भोजनादि की समुचित व्यवस्था प्रदान की जायेगी। सम्मेलन की सभी व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु कमेटियों का गठन किया जायेगा। सम्मेलन की व्यवस्थाओं हेतु मनोज जैन कोटा, पवन कुमार ऋषभ जैन मुरेना, सुमेदीलाल दिनेशचंद जैन मुरेना, राजेंद्र भंडारी साकेत भंडारी मुरेना, रामशंकर नायक गढ़ी मुरेना, पवन जैन, उत्तम नगर, नरेंद्र जैन सुपर मुरार, अतुल जैन ओल्ड ईदगाह, राजकुमार सोनू आगरा, पुरुषोत्तम जैन शिवपुरी, सुनील ढिलवाड़ी मकराना, सुमन जैन, सोनू जैन, जगदीश जैन मनियां, अजीत जैन चांदी वाले, संजय जैन शालीमार आगरा ने अर्थ सहयोग की घोषणा की । आगरा निवासी अखिलेश जैन ने अपने काव्य पाठ से सभी को प्रभावित किया। बैठक के प्रारंभ में समूह के राष्ट्रीय संयोजक अजय जैन शिवपुरी, रविंद्र जैन जमूसर भोपाल, रूपेश जैन दिल्ली, अनिल जैन मकराना ने परिचय सम्मेलन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की । बैठक में दिनेश जैन खबरोली, अतुल जैन स्क्रैप का सहयोग सराहनीय रहा। स्वागत भाषण का वाचन अनूप भंडारी ने व आभार व्यक्त प्रवीण जैन चैटा वाले ने किया।

अनुबंध प्राप्त करने के लिए स्टार्टअप अपने न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद प्रस्तुत कर सकते हैं: अरुण मिश्रा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

वेदांता लिमिटेड ने सीआईआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप्स (सीआईईएस) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य कॉर्पोरेट-स्टार्टअप कनेक्ट को बढ़ावा देना और सीआईआई सीआईईएस के कॉर्पोरेट एक्सेलेरेटर कार्यक्रम के माध्यम से प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्टअप को सहायता प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, स्टार्टअप के पास भाग लेने वाले कॉरपोरेट्स के साथ अनुबंध सुरक्षित करने के लिए डेमो दिवस पर अपने न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (एमवीपी) पेश करने का अवसर है। सीआईआई राजस्थान के उपाध्यक्ष और वेदांता समूह के कार्यकारी निदेशक और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा ने सोमवार को उदयपुर में सीआईआई उदयपुर जोनल काउंसिल द्वारा आयोजित सीआईआई इंटरैक्टिव सत्र ''कॉफी विद सीईओज'' में यह बात कही। सीआईआई उदयपुर के अध्यक्ष और आर्कगेट टेक्नोलॉजीज एलएलपी के सीईओ कुणाल बागला ने साझा किया कि लोगों के लिए यह आश्चर्य करना काफी स्वाभाविक है कि क्या ऐसी दुनिया में लोगों की मदद करने में सामान्य रूप से प्रौद्योगिकी और विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटलीकरण की कोई प्रमुख भूमिका है। वे ऐसा करते हैं और विस्तार से बताये तो डिजिटलीकरण लागत कम करके, उत्पादकता में सुधार करके, समय की बचत करके और आराम में सुधार करके मनुष्य के जीवन को अधिक उत्पादक और अधिक आरामदायक बनाता है। आईटी, इनोवेशन और स्टार्टअप पर सीआईआई राजस्थान पैनल के संयोजक और कार देखो.कॉम के सह संस्थापक और मुख्य परिचालन अधिकारी अनुराग जैन ने कहा कि स्टार्टअप बनाने की यात्रा थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है लेकिन समर्पण और लगातार प्रयास से इसे पार किया जा सकता है। ग्राहक-केंद्रित फोकस बनाए रखना और अनुकूलन क्षमता विकसित करना चुनौतियों पर काबू पाने के लिए प्रमुख तत्व बनकर उभरता है। धैर्य और लचीलेपन के साथ, उद्यमी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं, सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और भारत के भविष्य को आकार देने में योगदान दे सकते हैं। समापन भाषण में सीआईआई उदयपुर के उपाध्यक्ष और अरावली समूह निदेशक सुनील लुनावत ने कहा कि भारत तीव्र गति से बढ़ रहा है और 2026 तक स्टार्टअप भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग एक ट्रिलियन डॉलर का योगदान देंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि वह आने वाले समय में विनिर्माण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप को लेकर उत्साहित हैं। सीआईआई उद्योग और देश दोनों के नवाचार, उत्कृष्टता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में कॉर्पोरेट सदस्यों के साथ जुड़ने के लिए स्टार्ट-अप के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा। यह बात नितिन गुप्ता, सीआईआई राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख ने कही। अद्वैया सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष गोधा ने व्यवसाय के मूलभूत और परिचालन पहलुओं के बारे में बात की, जिस पर एक उद्यमी को व्यवसाय मॉडल के अलावा ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारतीय प्रबंधन संस्थान, उदयपुर के निदेशक प्रो. अशोक बनर्जी ने भी इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित किया और वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्य में स्टार्टअप के महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भागीदारी निभाई।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

आचार्य द्वय का महामिलन हुआ

राजेश दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। नगर जैन समाज को आज बड़ा सौभाग्य मिला। सदी के दो महान गणाचार्य विराग सागर जी एवं आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज के शिष्य आचार्य प्रज्ञा सागर जी एवं आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज संसघ का महामिलन आज तारीख 20 नवंबर को शाम 5.30 बजे आचार्य द्वय का संसघ का महा मिलन मोदीजी की नासिया में समाज के सैकड़ों जनो की उपस्थिति में हुआ ' राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर सामाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, पवन जैन, मनोज काला, प्रदीप बडजात्या, पारस पांड्या, योगेन्द्र काला, सुनील गोधा, पदमचंद मोदी, प्रितपाल टोंग्या, मनोज जैन आदि समाज जन मिलन देखकर भाव विभोर हो गए और नमोस्तु शासन जयवंत हो जब तक सुरज चांद रहेगा मुनियों का सम्मान रहेगा का जय घोष करते हुए भव्य मिलन के साक्षी बने।

चावल के दाने पर की मतदान करने की अपील

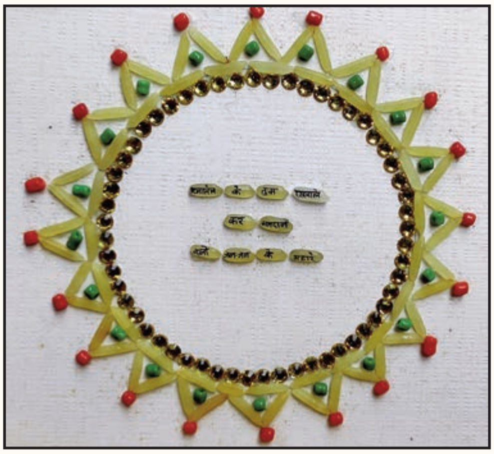

जयपुर. शाबाश इंडिया

चावल के दाने पर सूक्ष्म लेखन की राष्ट्रीय स्तर की कलाकार निरू छाबड़ा ने राज्य के विकास के लिए प्रत्येक नागरिक से विधानसभा के चुनाव में मतदान करने की अपील की है ' उन्होंने चावल पर सूक्ष्म लेखन कर कृतियों के माध्यम से वोट डालने को प्रेरित किया है। चावल पर लिखा है वोट दो - वोट दो लोकतंत्र की यही पुकार सब काम छोड़कर करो मतदान 25 नवंबर 2023 ।